

# खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



## बिजली दर में 5 से 15 पैसे प्रति यूनिट की हुई बढ़ोतरी

विद्युत नियामक आयोग ने नयी दर को दी मंजूरी, 1 जून 2023 से लागू

### बिल भुगतान पर उपभोक्ताओं को मिलेगी विशेष छूट



2019 की दरें

धरेलू ग्रामीण उपभोक्ताओं से 5.72 रुपये लिये जाते हैं। धरेलू शहरी उपभोक्ता से 6.25 प्रति यूनिट, धरेलू-एचटी से 6.25 रुपये, कॉर्मशियल ग्रामीण से 7.25 रुपये प्रति यूनिट, कृषि कार्यों के लिए 5 रुपये प्रति यूनिट, एलटीआईएस से 5.75 प्रति कैवाइच और एचटीआईएस 5.50 प्रति कैवाइच लिया जाता रहा है। अब इन दरों में बदलाव होगा। वहीं, उपभोक्ताओं को 100-200 यूनिट उपभोग पर सब्सिडी प्रति यूनिट 2.75 रुपये और 2021-400 यूनिट पर सब्सिडी प्रति यूनिट 2.05 रुपये मिल रही है।

दर 6.15 रुपये नियामित की गयी है।

नवी टैरिफ़ झारखंड बिजली वितरण

नियामक आयोग के अध्यक्ष जरिट्स अमिताभ कुमार गुसा ने कहा कि नयी टैरिफ़ वृद्धि आशिक रूप से की गयी है। इसमें उपभोक्ताओं का खास ख्याल रखा गया है। अंतर उपभोक्ता को बिल के भुगतान पर 2 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। इसके अलावा, ऑनलाइन या फिर इंटरनेट की गति तेज़ी से बढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही, उपभोक्ताओं को देश के अधिकतम सीमा 250 रुपये होगी। इसके साथ ही, लोड फैटर 65 प्रतिशत से अधिक होगा और जिसकी अधिकतम सीमा 15 प्रतिशत होगी।

तीन साल बाद बढ़ी बिजली दरें

पिछले तीन साल से राज्य में बिजली की दरें घोषित नहीं की गयी थीं। वर्ष 2020 में कोविड महामारी को देखते हुए आयोग ने बिजली दर में बढ़ोत्तरी नहीं करने का निर्णय लिया। ऐसे में 2019 का दर अब तक मान्य है। वहीं, वर्ष 2020 के बाद से नियामक आयोग में अध्यक्ष और सदस्य पद खाली हो गया, जिससे बिजली दर निर्धारण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायी।

**200 पन्नों में आयोग ने दिया है फैसला :** लंबी सुनवाई के बाद करीब 200 पन्नों में आयोग द्वारा दिये गये नियामों में झारखंड बिजली वितरण नियम लिंगिटेक को कहा तरह के सुझाव भी दिये गये हैं। आयोग का यह नियम ज्यावीएनएल द्वारा 2019-20, 2020-21 और 2021-22 में दिये गये प्रस्ताव पर सुनवाई के बाद आया है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के द्येवरैन जरिट्स अमिताभ कुमार गुप्ता, सदस्य अतुल कुमार और महेंद्र प्रसाद वे सुनवाई के बाद आगे का नियन्त्रण की आयोग 2022-23 और 2023-24 के प्रस्ताव को सुनकर रूप से सुनवाई के बाद आगे का नियन्त्रण लिया गया।

नियम लिमिटेड के उपभोक्ताओं के संबंध में आयोग को टैरिफ़ पोटिशन लिया गया है। ज्यावीएनएल में आयोग को देखते हुए

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली वितरण नियम ने बताया कि नियम सालाना 7400 करोड़ रुपये के नुकसान में है। वर्ष 2020 में देश के बाद आगे करीब 2200 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021 में 2600 करोड़ और वर्ष 2022 में 2500 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया है। द्यावाकि, नियम ने बताया कि देश के बादों को घाटा बताया। साथ ही, बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने की अपील की गयी।

नियम ने बताया नुकसान का आंकड़ा

ज्यावीएनएल की ओर से दिये प्रस्ताव में 20 फीसदी वृद्धि की गयी थी। प्रस्ताव में बिजली











## आर्थिक गति बढ़कराएं

म जबूत व्यापक आर्थिक नीतियों और जिंस कीमतों में नरमी के चलते देश की वृद्धि की गति 2023-24 में बढ़कर रहेंगी। भारतीय रिजर्व देश के नेंगलाल को जारी अपनी वैश्विक रिपोर्ट में यह संभावना जताई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि चालू वितर वर्ष में मुद्रासंकेत परिवर्तन में यह संभावना जारी रही है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वीमी वैश्विक वृद्धि, भू-राजनीतिक तात्परा और वैश्वक वित्तीय प्रणाली में दबाव के कारण अगर वित्तीय बाजार में अस्थिरता होती है, तो इससे वृद्धि के लिए नकारात्मक जोखियां पैदा हो सकते हैं। वैश्वक अनिश्चिताओं के बने रहने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) प्रवाह अस्थिर रह सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि अच्छी ल्योगी मांग और पूँजीगत व्यव पर सरकार के जरूर से वृद्धि को समर्थन मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में यही की वास्तविक जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ऐसी भुगतान प्राणीली तैयार है जो किसी भी वैश्विक तिमि काम करेगी। प्राकृतिक अपावाधों और युद्ध जैसी विप्रालीकारी घटनाओं के दौरान महत्वपूर्ण लेनदेन के लिए यह प्राणाली उपयोगी होगी। केंद्रीय बैंक के अनुसार प्रस्तावित ह्यालाइट बेटे एंड पोर्टफोलियो में विदेशी वैश्विक वैधिकीयों से अलग होगा और इसे बहुत कम कर्मचारी कहीं से भी संचालित कर सकेंगे। बड़ी मात्रा में भुगतान के लिए आरटीजोएस (रिकॉर्ड टाइम ग्रांप सेटलमेंट), एनहैफेटी (नेशनल इलेक्ट्रोनिक फंड ट्रांसफर) और युपीआई (यूनिफार्म पैमेंट्स इंटरफेस) जैसी मौजूदा प्रणालियां उन्नत आर्टीटी वित्तीय बाजारों और युद्ध जैसी भयावह घटनाओं में ये प्राणाली अस्थायी रूप से बढ़ हो सकती हैं। इसलिए, इस तरह की विषम परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहने में समझदारी है।

## देश की बात

**पी** एम मोदीजी के मन की बात के दौरान संयोग ये बना कि प्रधानमन्त्रित बाल के 9 साल पूरे हुए और हाल में ही सौवा एपिसोड भी। इन वर्षों में देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर चला है। इन 9 वर्षों में ही देश के अनेक पुराने विवादों की पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक शांति और सौम्यादेश सुलझाए गए हैं। पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक शांति और विकास का एक नया भरोसा जगा है। इन 9 सालों में हमने सरकार की खुलाकर मदद भी करते हैं।

इन वार लव ट्रायंगल जैसे क्रिकेटीय वृद्धि हालातों के बीच भले ही तीसरा विश्व वृद्धि टलाता जा रहा हो, लेकिन अपेक्षित गुरु और रस्सी गुरु की वैश्विक बादशाहत को बाबैये रखने के लिए जो छोटे-छोटे युद्ध हो रहे हैं, वो इस बात की चुगती कर रहे हैं कि प्रथम विश्व वृद्धि और द्वितीय विश्व वृद्धि को ज्ञेल चुकी वह दुनिया अस्थिरकर कबतक तीसरा विश्व वृद्धि टाल के गोला बास्तु, द्वितीय विश्व वृद्धि के परम्परा बम की तरह तीसरे विश्व वृद्धि में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कोई नया गुल खिलाएगी और इस बार जल, थल, नभ के अलावा अंतरिक्ष में भी युद्ध होगा।

यदि अंतरिक्ष वृद्धि की नौबत आई तो अपेक्षित वृद्धि की अधिकारी विश्व वृद्धि की तरह व्या भारत को भी जापान और फ्रांस के साथ मिलाकर कार्ड अंतरिक्ष गुरु तैयार कर लेना चाहिए। यह सब बातें मैं संरक्षित विश्व वृद्धि के साथ एक लाख को जापान की अधिकारी करने के लिए एक लाख से अधिक उत्तराधिकारी निर्भर करती है। नौ साल में एक सिर रस्तक और कांग्रेस की नीतिशाली अवधेश को समाप्त करने में सफलता पाई है। अब मोदी सरकार दो के एक साल बचे हैं जिसमें आम लोगों की सुविधा बढ़ने की उम्मीद कर रही है।

## कैसा आहर

## धर्म-प्रवाह

## जग्नी वासुदेव

हमारी मनोवैज्ञानिक अवस्था पर, हमारे भोजन का बहुत प्रभाव पड़ सकता है। चिकित्सा विज्ञान अब इस बात की चाची कर रहा है कि कैसे फलों का आहार हमारी मनोवैज्ञानिक अस्थायी व्युत्थानों को होते हैं, तथा कामकाज और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

किसी भी मसान में, चाहे जिस तरह के इंधन का उपयोग हो रहा है, उसकी क्षमता इस बात पर अधिक निर्भर करती है। यह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, और उसका उपयोग होता है। यह जिसका अधिकारी निर्भर करते हैं, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फलों की अवधिकारी निर्भर करते हैं, वह रेसिंग कर या विमान के गैसोलीन से अलग होता है, वह जिसके अन्तर्गत व्यायाम की अवधिकारी और काकानी शारीरिक गतिविधि करते हैं।

फ



## स्पीड न्यूज़

**शिक्षक धनंजय निलंबन से है गुरुत**  
हजारीबाग। गंभीर आरोग्य का दर्श झेल रहे मंसरातू के शिक्षक धनंजय कुमार का निलंबन मुक्त कर दिया गया है। उत्तमित मध्य विद्यालय के उक्त शिक्षक पर कई गंभीर आरोग्य लागे थे। इनमें आदर्शी की एक छात्र के साथ छेड़ाड, विद्यालय का स्कैप बैचने सहित प्रतिपूर्वी भर्ते का वितरण छात्रों के बीच नहीं करना शामिल है। इन मासलों की जाव चौपालण बीड़ीओं व बर्ही बीड़ीओं कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार जाव कमिटी ने शिक्षक का स्थानांतरण अन्यत्र करने की अनुशंसा की थी। इसे दरकिनार करते हुए उक्त शिक्षक को उसके मूल विद्यालय हो बापस भेज दिया गया है।

## अंगुजन गुस्तेनीन के अध्यक्ष बने हलीन



भरकुड़ा (रामगढ़)। अंगुजन मुस्लिमन कमटी भरकुड़ा का बुवाह करने के लिए गुरुवार का ऊपर धोड़ा स्थित मदरसा प्रांगण में पूर्व में तुने गए सदस्यों को बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सरकारक हाजी नूर हाशिम व संगठन में। अनवर ने किया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के बाद सर्वसमर्थों से भरकुड़ा अंगुजन कमटी का तुना किया गया। कमटी में अध्यक्ष हाजी नूरहाशिम, हाजी शमशूरन, हाजी सुमिलाला, इसराइल असारी, नसीम असारी, अध्यक्ष मो. हालीम, उपाध्यक्ष आरिफ उर्फ मिंटू, सचिव मो. अनवर, उस सचिव मारुफ खान, एजाज कुरैशी, कांगाध्यक्ष शमशुल अंसारी तुने गए। जौके पर अखर अंसारी, मसूर खान, असार अली, मो आफताब, असद असारी, शमाम असारी उर्फ कक्षू, इश्वर अंसारी, तुनूद अखर, मो जाकिर, एजाज अहमद, नसीम इशाकी, यातुदीन मिनहाज अंसारी, मेराज अंसारी, मो अलम अंसारी, इमरान खान, मो इलाम, हसरत अली उर्फ टिटू, कारी सरफुरीन, जिब्रिल अंसारी, मो शमशेर आलम आदि जौद थे।

## पौध रोपण व वितरण की शुरूआत



हजारीबाग। जा शिक्षण संस्थान हजारीबाग द्वारा गुरुवार को जी-20 के शिक्षक कार्यशील आदर्श ग्राम योजना के तहत पंचायाधव बसरिया पंचायत भवन में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया नीलम देवी व संचालन पंचायत सचिव नेमधारी महरों ने किया। बैठक में कुसुंभा वर्कशॉप के कार्यपालक अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी से विद्यालय प्रभारी विशेषांक वर्मा ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो पर कहा कि द्रांसफॉर्मर रहते हुए मार्गीणों को अंधेरे में रखना बिजली

## खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। प्रखंड अंतर्गत प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत पंचायाधव बसरिया पंचायत भवन में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया नीलम देवी व संचालन पंचायत सचिव नेमधारी महरों ने किया। बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया और कहा की कल ही एक ट्रांसफॉर्मर दिया गया है। बिजली व्यवस्था सुट्ट करने को लेकर संवर्ध कर रहे हजारीबाग विद्यालय का नियम जायसवाल को जब इस बात की जानकारी हुई तो वे अग- बबूला होकर तकाल सिंटूर रिश्ति टीआरडब्ल्यू पहुंचे और द्रांसफॉर्मर रिपेवर्ग वर्कशॉप के कार्यपालक अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी के बाहे उपरियत उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक की अधिवक्ता सुब्रत बनर्जी ने बात की और जनहित में कुसुंभा वासियों को द्रांसफॉर्मर उपलब्ध करने को कहा तो

उन्होंने टीआरडब्ल्यू में द्रांसफॉर्मर का विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया। इधर विद्यालय का बात करके देने से मना कर दिया।

बैठक में बैठक





# किसानों की स्थिति पर कौन चिंता करता है?



एन के मुख्य विषय

**हौ** रतलब है कि अदालत ने यह सख्त टिप्पणी गैर-सरकारी संगठन सिटीजन रिसोर्स एड

एक्शन एंड इनीशिएटिव द्वारा दायर याचिका पक्की है जिसमें गुजरात के 619 किसानों के परिवारों को मुआवजा दिये जाने की मांग की गई है। अदालत ने सरकार को यह भी कहा है कि वह किसानों की फसल की एक निश्चित कीमत तय करे। गौर करें तो किसानों की आत्महत्या के मसले पर सरकार के रवैए को लेकर पहले भी अदालत द्वारा अपनी नाराजगी जताया जा चुका है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसानों की आत्महत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अतीव गत माह पहले ही राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एन्सीआरबी) द्वारा खुलासा किया गया कि वर्ष 2015 में 8 हजार किसान और 12 हजार खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की है। इस रिपोर्ट में आत्महत्या के लिए कर्ज को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना गया। रिपोर्ट में कहा गया कि 2015 में कर्ज न कुचा पाने के कारण 2978 किसानों ने आत्महत्या की जबकि खेती से जड़ी अन्य समस्याओं के कारण 1494 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

2015 के आंकड़ों पर गौर करें तो महिला और पुरुष किसानों को मिलाकर आत्महत्या करने वाले को कुल संख्या 12602 है, जो कि देश में आत्महत्या के लागू मालियों का तकरीबन 9.4 फीसद है। यह आंकड़े बताते हैं कि विवरण वर्ष की तुलना में साल 2015 में किसानों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं में तकरीबन तीन फीसद की बढ़ोतारी हुई है। चिंताजनक तथ्य यह है कि सरकार द्वारा किसानों और कृषि संबंधी कई लाभकारी योजनाओं का आकार दिए जाने और फसल बीमा योजना लागू किए जाने के बावजूद बहुत अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एन्सीआरबी) द्वारा खुलासा किया गया

पर गौर करें तो 2004 में 4385, 2005 में 3175 और 2006 में 1901 किसानों ने आत्महत्या की। इसी तरह 2009 में 17 हजार, 2010 में साढ़े 15 हजार, 2011 में 14 हजार और 2013 में साढ़े 11 हजार किसानों ने आत्महत्या की। एक आंकड़े के मूलाधारी अपराधिक उत्पादकों को अनुपात में दूध आपूर्ति बघित होने से उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुपात लंबे के चलते दो लाख से अधिक गौठन की शक्ति है। स्वतंत्र पर्यावरण इसकी संख्या कहीं ज्यादा बताते हैं। बहलाल, इन अपराधों से हुई शक्ति की बजाए दुध उत्पादन में गिरावट आ थिर होने के आसार है। तभी देवरी उत्पाद मसलन मखन व खी के आवात की बात कही जा रही है। कोरोना काल व बाद में लंपी के चलते दूध उत्पादन में जो गिरावट आई है, तभी इस साल कुल उत्पादन में गिरावट आ थिर होने के आसार है। तभी देवरी उत्पाद मसलन मखन व खी के आवात की बात कही जा रही है। वहीं इस पर्यावरण के संकर के अलावा राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये दूध के मुद्रे पर भी अब खुब सियासत होने लगी है। कर्नटिक चुनाव से पहले दो दुध उत्पादकों के आयात के क्षेत्रों के संक्षण करना भी एक चौबीस के स्तर पर हो रहा है। यहाँ तक कि एक होटल संगठन ने बाकायदा अमूल उत्पादों के बहिकर की घोषणा की। गुजरात स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र

दुनिया का सबसे बड़ा दुध उत्पादक देश भारत अपने नारायणों को दूध की मांग पूरी करने में मुश्किल महसूस कर रहा है। कोरोना काल में दूध आपूर्ति बघित होने से उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुपात लंबे के चलते दो लाख से अधिक गौठन की शक्ति है। स्वतंत्र पर्यावरण इसकी संख्या कहीं ज्यादा बताते हैं। बहलाल, इन अपराधों से हुई शक्ति की बजाए दुध उत्पादन में गिरावट आ थिर होने का आसार है। तभी देवरी उत्पाद मसलन मखन व खी के आवात की बात कही जा रही है। कोरोना काल व बाद में लंपी के चलते दूध उत्पादन में जो गिरावट आई है, तभी इस साल कुल उत्पादकों के आवातों को घोषणा करना भी एक चौबीस के स्तर पर हो रहा है। यहाँ तक कि एक होटल संगठन ने बाकायदा अमूल उत्पादों के



लिखकर मांग की है कि आविन के मिल्क फेंडरेशन अपने ब्रांड अमूल के व्यवस्थाएँ कारोबार के लिये जाना जाता है। जिसके चलते सहकारी दुग्ध उत्पादकों के जीवन में खासा सकारात्मक बदलाव भी आया है। वहीं ब्रांड चुनों की उपयोगका को आजादी है और इसके लिये बेहतर प्रबन्धन भी एक शर्त है। एक पहल यह भी है कि देश में पशुओं के चारे के दाम में खासी तेजी आइ है और दुग्ध उत्पादकों का मुनाफा कम हुआ है। जिसके चलते हरियाणा समंत राजनीति में योग्यता देने के लिये उत्पादकों को खासा स्थान दिया गया है। यहीं तक कि एक होटल संगठन ने बाकायदा अमूल उत्पादों के बहिकर की घोषणा की। गुजरात स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र

देश की सर्वोच्च अदालत ने किसानों की आत्महत्या को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार को ताकीद किया है कि वह ऐसी नीति बनाये जिससे कि किसानों को आत्महत्या के लिए विवश न होना पड़े। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि किसानों की मौत के बाद उनके पीड़ित परिवार को मुआवजा देना समस्या का हल नहीं है। इस रोकने के लिए आत्महत्या की परिस्थितियों को ही खत्म करना होगा। भारत सरकार ने देश में किसानों और खेतिहर मजदूरों द्वारा आत्महत्या किए जाने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से समझा जा रहा है। भारत सरकार ने देश में किसानों और खेतिहर मजदूरों द्वारा आत्महत्या किए जाने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से समझा जा रहा है। इस अव्ययन में कापा गया है कि किसानों पर बढ़ता कर्ज, मानसून पर अत्यधिक निर्भरता, अपर्याप्त रियाई द्वारा अवृत्ति द्वारा आत्महत्या का गंभीरता से समझा जा रहा है। यह अभाव कृषि क्षेत्र की बढ़ती हाली का मुख्य कारण है।

## लगभग 13 करोड़ किसान परिवार की पीड़ि कौन सुनेगा, कौन समझेगा

**मनोज शर्मा**  
कृषि जनगणना (2015-16) के अनुसार, भारत में लघु एवं सीमांत किसानों की संख्या 12,563 करोड़ है। देश में 35 प्रतिशत किसानों के पास 0.4 हेक्टेयर से कम जमीन है, जबकि 69 फीसदी किसानों के पास एक और 87 फीसदी किसानों के पास दो कम जमीन है। 0.4 हेक्टेयर से कम जमीन है, जबकि 69 फीसदी किसानों के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है। 0.4 हेक्टेयर से कम जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं। देश में लघु एवं सीमांत किसानों की नकेव आय कम है, जबकि एक और दो हेक्टेयर के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 8,000 रुपये कमाते हैं, जबकि एक और दो हेक्टेयर से कम जमीन है।

उनकी समस्याओं को समझी देकर हल किया जाता है, जिससे मूल समस्या का निदान नहीं हो पाता है। उनके लिए कृषि व्यवसाय मॉडल विकसित करने की जरूरत है। कम से कम लागत में अधिकतम आय कैसे प्राप्त की जाए, यह उन्हें समझना होगा। इसमें निजी क्षेत्र को भी मुख्य भूमिका निभानी होगी।

लघु एवं सीमांत किसानों के पास छोटी जमीन है, जिससे फसल की लागत बढ़ जाती है और उन्हें बहुत कम लाभ होता है अब तक के बाबत लाभ होता है। इसलिए उन्हें संगठित होकर एकसाथ मिलकर खेती करने के बीच जमीन है। जो जमीन वाले किसान सालाना औसतन 8,000 रुपये कमाते हैं, जबकि एक और दो हेक्टेयर के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं। देश में लघु एवं सीमांत किसानों की नकेव आय कम है, जबकि एक और दो हेक्टेयर से कम जमीन है।

देश में 35 प्रतिशत किसानों के पास 0.4 हेक्टेयर से कम जमीन है, जबकि 69 फीसदी किसानों के पास एक और 87 फीसदी किसानों के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है।

कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण एवं विपणन स्वयं करने के लिए प्रेरित करना होगा, ताकि उनकी आमदानी में इजाफा हो। देश में 87 फीसदी किसानों के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है।

किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी के हैं, अब इनकी आय बढ़ेगी, तो मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं। देश में लघु और सीमांत किसानों की नकेव आय कम है, जबकि इनके बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 8,000 रुपये कमाते हैं।

किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 8,000 रुपये कमाते हैं।

किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 8,000 रुपये कमाते हैं।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 8,000 रुपये कमाते हैं।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों के बीच जमीन वाले किसान सालाना औसतन 50,000 रुपये कमाते हैं।

कृषि एवं गैर-कृषि लोगों

किरण थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में, अश्मता बाहर



एजेंसी

**बैंकॉकः** भारत के किरण जॉर्ज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चीन के दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी वेंग होंगे येंग को सीधे गेम में हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल ब्यार्टर फाइनल में जगह बुनिया के लिए जारी किया गया है। यहां वेंग को सीधे गेम में हराकर थाईलैंड ओपन 500 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। ओडिशा ओपन 2022 के विजेता किरण श्रुतवार को अंतिम आठ के मुकाबले में हांगकांग के एनजी का लोंग पैंस और फ्रांस के टोमा जूनियर पोंपोव के बीच होने वाले सीजन आइपीएल में काफी दद में रहे थे और उन्हें विकेटकीपिंग के बक्स लंगड़ा कर चलते हुए देखा गया था। ऐसे में धोनी ने आइपीएल के बाद मिले समय में खेलने की संजरी कराई। हालांकि महिला एकल में अश्मता के एनजी को पूर्व अलंकित और तीन बार की विश्व चैंपियन स्पेन के खिलाड़ी को प्री क्वार्टर फाइनल में 39 मिनट में 21-11, 21-19 से हराया। आपको बता दें कि ज्ञेनी पड़ी।



चीन देशन नार्ग अब

बनेगा फौलादी पथ  
गंगटाक। सादोंपो पहले से तिक्कत के साथ यापार के रिल्यू रुट यानी रेशम मार्ग को 21ी सर्दी में रेल लाइन बिछ कर आयरन रुट यानी फौलादी पथ बनाने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है तथा आगामी साल सिविकम के रणपो तक और एक दशक में चीन शासित तिक्कत की सीमा पर नाथुला तक रेल लाइन तैयार हो जाएगा। बगल के उत्तरी भाग में चार देशों - नेपाल, बांगलादेश, भूटान एवं चीन की सीमाओं से पिरे विकेन नेक क्षेत्र में सिलान्गुड़ी के सिवोक से सिविकम की सीमा पर स्थित अंदायांक क्षेत्र रगपो तक कीरी 45 किमी तक रेलवे लाइन बिछाने का काम वर्ष 2024 दिसम्बर तक पूरा हो जाएगा।

### नाणिपुर के नये डीजीपी बने राजीव सिंह

इफाल। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी राजीव सिंह को गुरुवार का नया पुरिस्त महानिदेशक नियुक्त किया गया। अधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। अधिकारिक आदेश के अनुसार, नियुक्त कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी सिंह को तीन साल के लिए अंतर्र-कैडर प्रतिनियुक्त पर मणिपुर भेजा गया है।

### पाकिस्तान के पंजाब में विस्फोट, छह नरे

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरुवार को एक घर में हुए विस्फोट में एक ही परिवार के कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हुए। पुलिस ने हाल जानकारी दी। यह घटना पंजाब प्रांत के कोट अंडुजिल में हुई। इस घटना में इकबाल, उनकी पत्नी हसीना, उनके दो बच्चों और दो महिला शिक्षकों की मौत हो गई।

### बायान्गुला में आताकियों के दो सहयोगी अटेस्ट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बायान्गुला जिले में रुक्काबों ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयार के आतकवायियों के दो सहयोगियों को गिरपत्र कर उनके पास से हायियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस के एक प्रकाता ने यह जानकारी दी। प्रकाता ने बताया कि फ्रेशिटार फ्रीरी गांव में आतकवायियों की आगाजाही के संबंध में मिली विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुक्षमताएं ने फ्रेशिटार वारीपोरा क्रॉसिंग पर एक मोबाइल वाहन जांच बीकी (एम्बीसी) स्थापित की।

### यूपी के जिलों में तैनात होंगे आपादा नित्र : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने गुरुवार को राज्य आपादा प्रबंधन प्रधिकरण (एनडीएम) के नये भवन का शिलान्यास किया और कहा कि सरकार के प्रयास से आपादा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्तेजनायी सफलता हासिल हो रही है। योगी ने कहा कि प्रदेश में कमी 40 जिलों में समेटने का काम किया है। आज अगर कहीं आपादा आती है तो लोगों को ये विश्वास रहता है कि सरकार की ओर से राहत भी आ रही होगी। उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जनपदों की बोधियों की बात कहते हुए अच्छा कार्य करने वालों को व्यवस्था के साथ जोड़े हुए उत्तिम मानदेय देने के लिए भी राज्यव्यवस्था की काम किया है।

**'गेरे नैना तेरे नैना' आज होगी दिलीज**

मुंबई। खेसारीलाल यादव अभिनेता अवधीषि पि लम मेरे नैना तेरे नैना शुक्रवार को रिलीज होगी। लाल विजय शहदेव निर्देशित मेरे नैना तेरे नैना में खेसारीलाल यादव के साथ युश्वर शर्मा, कामाक्षी ठाकुर, रीत शर्मा, नीना चौधी, निश्चिकांत दीक्षित और चुनु मेहरा, रवि भाटिया भी एक अहम रोल में हैं। निर्देशक लाल विजय ने बताया कि एक अनाथ लड़की और एक अनाथ लड़का अनेकी प्रेम कहानी की रहस्यमयी विषय पर आधारित फिल्म है।

# भारत-नेपाल में फिर सुपरहिट होंगे रिथ्टे

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अपने नेपाली समक्ष पुष्पकमल लालाव वर्च चंद्र के साथ व्यापक वार्ता के बाद कहा कि भारत और नेपाल अपने द्विपक्षीय संबंधों को हिमालयी ऊंचाइयों पर ले जाने और सीमा मुद्रे सहित सभी समझौतों को इसी भावना के साथ हल करने का प्रयास करेंगे।

- पनविजली समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को सात समझौतों पर दोनों देशों ने किया दस्तावेज़
- 10 वर्षों में नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली आयात करेगा भारत

डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने बिहार के बधनाह से नेपाल कर्सम यार्ड के लिए एक मालावाक रेललाई को भी हरी झंडी दिखाई। प्रचंड की मौजूदी में मोदी ने कहा कि हम अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास जारी रखेंगे। और इसी भावना के साथ हम सभी मुद्रों का समाधान करेंगे, चाहे वह सीमा परेटेल माध्यम पाइपलाइन के विस्तर, एकीकृत संचारी क्षेत्रों के सहयोग बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

वार्ता के बाद मोदी और प्रचंड ने दोनों देशों के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।



डिल्ली माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने बिहार के बधनाह से नेपाल कर्सम यार्ड के लिए एक मालावाक रेललाई को भी हरी झंडी दिखाई। प्रचंड की मौजूदी में मोदी ने कहा कि हम अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास जारी रखेंगे। और इसी भावना के साथ हम सभी मुद्रों का समाधान करेंगे, चाहे वह सीमा परेटेल माध्यम पाइपलाइन के विस्तर, एकीकृत संचारी क्षेत्रों के सहयोग बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

दोनों पक्षों ने सीमा पर एकीकृत जांच क्षेत्रों के संबंधों को उद्घाटन किया।

हस्तावित प्रमुख समझौते में से एक ट्रॉजिट की संमझौते भारत-नेपाल संधि थी। इसमें नेपाल के लोगों के लिए नए रेल रेल मार्गों के निर्णय किया गया है। नेपाल के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र से संपर्क को उद्घाटन करने के लिए एक ऐतिहासिक दृष्टिप्रबन्ध सहायता दिया जाएगा। इसे अगे बढ़ावा देने के लिए शिशा और जलायात में और लो पुल बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने एरे रेल लिंक स्थापित कर

हम अपने संबंध को हिमालय जैसी ऊंचाई देने के लिए काम करते होंगे : प्रधानमंत्री

सिलोगुड़ी से पूर्वी नेपाल में जापा तक और एक नई पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी। साथ साथ वित्तवन और ज्ञान में नए स्टोरेज टर्मिनल भी लगाए जाएंगे।

मोदी ने कहा कि उन्होंने साल बाद यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि हमारी साझेदारी वास्तव में हिट रही है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध बहुत पुराने और मजबूत हैं। इस सुदूर कड़ी को मजबूती देने में अपनी प्राथमिकता और मजबूती देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए प्रधानमंत्री का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि मुझे यह है, नौ साल पहले प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद नेपाल के साथ संबंधों को मजबूत करने में अपनी प्राथमिकता और मजबूती देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग, आई-वे और ट्रांस-सेवा। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि राजमार्ग और प्रधानमंत्री प्रचंड ने अपनी ट्रांस-सेवा को अपनी प्रधानमंत्री मोदी की वाली लाई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री प्रचंड ने अपनी ट्रांस-सेवा को अपनी प्रधानमंत्री मोदी की वाली लाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्यापक व्यापार को बढ़ावा देने की ओर प्रधानमंत्री प्रचंड के लिए एक राजमार्ग है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और पुराने देशों के लिए एक व्य